

Analysis of Nature : 2 Botanical Nature.

The next category of nature from the point of view of science is that of Botanical nature. Botanical nature is that phenomenon of nature which is living but which has no mobility. It is lower in the stage of evolution.

An alphabetically arranged glossary of terms of Botanical nature referred to in the works of KĀLIDĀSA is given below.

Here too, KĀLIDĀSA has approached the problem with a synthetic point of view. He has not ignored the points of view of the common man, of the scientist, of the lover of the philosopher.

The representative phenomenon of Botanical nature in the works of KĀLIDĀSA is the TAPOVANA. TAPOVANA is not by itself an independent phenomenon. It is a synthesis of various forms of nature and man. You find inanimate nature (e.g. fire). You find Botanical nature in various forms, you find zoological nature both in the form of beasts as well as birds and you find humanity in the form of sages as well as house-holders.

Even if the TAPOVANA is a synthesis of these disparate phenomena, its most powerful impact is derived from Botanical nature which is its most essential constituent.

We have examined in detail the role of the TAPOVANA AND THE message that KĀLIDĀSA propounds through its agency in the conclusion.

The following is the glossary of terms referring to Botanical nature in the works of KĀLIDĀSA.

अनुसंधारम्		किशालय	(अ. ५.१५) लट्टुम	(अ. २.७)
अगक	(अ. १.१२)	कुजा	(अ. १.२१) लरु	(अ. २.२८)
अभयिन्व	(अ. ५.१३)	कुन्व	(अ. ८.२) दलेशारणी	(अ. १.२६)
अशोक	(अ. ६.६)	कुन्व	(अ. ६.२३) नलिनी	(अ. २.१५)
अशोक	(अ. ६.२६)	कुर्जा	(अ. ३.२३) नलिनी	(अ. ३.६)
अधुर	(अ. २.२७)	कुमुद	(अ. ३.२) नलोत्पल	(अ. २.२४)
अर्जुन	(अ. ३.२३)	कुमुद	(अ. ३.२३) नीप	(अ. ३.२३)
अर्जुन	(अ. ४.५)	कुमुद	(अ. २.२१) नीलराजि	(अ. १.१)
अम्बुज	(अ. ६.२४)	कुमुद	(अ. ३.२१) नीलोत्पल	(अ. २.२)
इन्दीधर	(अ. २.२६)	कुमुद	(अ. ३.२३) नीलोत्पल	(अ. ३.१७)
उत्पल	(अ. २.२४)	कुमुद	(अ. ३.२६) नीलोत्पल	(अ. ३.२९)
उत्पल	(अ. ३.२५)	कैतकीधन	(अ. २.१७) नीलोत्पल	(अ. ३.२६)
उत्पल	(अ. ५.१०)	कुड्मल	(अ. २.२५) नीलोत्पल	(अ. ५.९)
ककुभद्रममञ्जरी	(अ. २.१०)	कुर्षक	(अ. ५.२८) पञ्कज	(अ. ३.२३)
कदम्ब	(अ. २.१०)	कुर्षकदल	(अ. ५.२२) पञ्कज	(अ. ५.६)
कदम्ब	(अ. २.१०)	कुमुममाला	(अ. ५.१२) पञ्कजधन	(अ. ३.१०)
कदम्ब	(अ. २.२३)	कुमुम्भ	(अ. १.२५) पञ्क	(अ. ३.१)
कदम्ब	(अ. २.२४)	कुमुम्भ	(अ. ६.५) पञ्क	(अ. ६.२)
कदम्ब	(अ. ३.१३)	कैतकी	(अ. २.२०) पञ्क	(अ. १.२२)
कन्दली	(अ. २.६)	कैतकी	(अ. २.२३) पञ्कदुम	(अ. १.२३)
कनककमल	(अ. ५.१३)	कैतकी	(अ. २.२६) पञ्कपुष्प	(अ. २.१४)
कमल	(अ. ३.६)	कैसर	(अ. १.१५) पञ्क	(अ. २.८)
कमलोत्पल	(अ. ३.११)	कैसर	(अ. १.२०) पञ्क	(अ. २.१२)
कङ्कलीपुष्प	(अ. ३.१८)	कोविदार	(अ. ३.६) पञ्क	(अ. ३.६)
कर्णिकार	(अ. ६.५)	चन्दन	(अ. १.१) पञ्क	(अ. ३.१६)
कर्णिकार	(अ. ६.२०)	चन्दन	(अ. १.५) पञ्क	(अ. १.२७)
कर्णिकार	(अ. ६.२७)	चन्दन	(अ. १.५) पञ्क	(अ. ३.५)
कल्लोरपञ्क	(अ. ३.१६)	चन्दन	(अ. १.५) प्रियञ्जु	(अ. ४-१०)
कालागुरु	(अ. २.२१)	चन्दन	(अ. २.२१) प्रियञ्जु	(अ. ६-१२)
कालागुरु	(अ. ४.५)	चन्दन	(अ. ५.३) पुष्पाद्य	(अ. ६-१६)
कालागुरु	(अ. ५.५)	चन्दन	(अ. ६.६) पुष्प	(अ. २-२२)
कालागुरु	(अ. ६.१३)	चन्दन	(अ. ६.१२) पुष्प	(अ. ३-६)
कालीयक	(अ. ४.५)	चन्दनशय	(अ. ३.२०) पञ्क	(अ. ३-१९)
काश	(अ. ३.२)	यूतकलिका	(अ. ६.१७) पञ्क	(अ. ४-३)
काश	(अ. ३.२)	यूतदुम	(अ. ६.१६) पञ्क	(अ. ६-१६)
काश	(अ. ३.२६)	यूतरस	(अ. ६.१५) पञ्क	(अ. ६-१७)
किंशुकधन	(अ. ६.१०)	यूतोञ्जु	(अ. ६.११) पञ्क	(अ. २-२५)
किंशुक	(अ. ६.१०)	यूतोञ्जु	(अ. ६.११) पञ्क	(अ. २-२५)
किंशुक	(अ. ६.२८)	यूतोञ्जु	(अ. ६.११) पञ्क	(अ. २-२५)

बन्धुक	(अं. ३.२३)	अराकह	(अं. ३.८)	कुरवाक	(उ.मं. २)
बन्धुकपुष्प	(अं. ३.३)	अपनरुद	(अं. ३.२)	कुरवाक	(उ.मं. १८)
बन्धुजीव	(अं. ३.२४)	अपनरुद	(अं. ३.२३)	कुवलय	(पू.मं. ३६)
मउरनी	(अं. ६.१८)	सर्ज	(अं. २.७)	कुवलय	(पू.मं. ४७)
मउरनी	(अं. ६.२८)	सर्ज	(अं. ३.२३)	कुवलय	(उ.मं. ६६)
सल्लिका	(अं. ६.३)	अरथ	(अं. २.२१)	कुउटा	(पू.मं. १९)
मालती	(अं. २.२४)	मिलोत्पल	(अं. २.२६)	कैपकी	(पू.मं. २३)
मालती	(अं. ३.२)			कैपकी	(पू.मं. २९)
मालती	(अं. ३.२८)	संघवृत्तम्		कैपकी	(उ.मं. ३८)
मालती	(अं. ३.२९)	आभ	(पू.मं. १८)	जपापुष्प	(पू.मं. ३९)
मृगाल	(अं. ३.२९)	अभिरकानन	(पू.मं. ४३)	जम्बुकुटा	(पू.मं. २०)
मृगाल	(अं. ३.४)	ककुभ	(पू.मं. २३)	जम्बुदान	(पू.मं. २४)
भूथिका	(अं. २.२५)	कदलीस्तम्भ	(उ.मं. ३६)	तटरुह	(उ.मं. ६)
लाक्ष	(अं. ४.१)	कदम्ब	(पू.मं. २६)	तटरुह	(पू.मं. ३०)
वन	(अं. १.२६)	कनककदली	(उ.मं. १७)	तरु	(पू.मं. १)
वन	(अं. १.२६)	कनककमल	(उ.मं. ६)	तरु	(उ.मं. ४६)
वनश्यामी	(अं. २.९)	कदली	(पू.मं. २१)	तालवृन्द	(पू.मं. ३७)
वनान्त	(अं. २.२२)	कमल	(पू.मं. ३२)	देवदारुवृक्ष	(उ.मं. ४७)
वनान्त	(अं. १.२२)	कमल	(उ.मं. २)	नलिनी	(पू.मं. ४२)
वनान्त	(अं. २.२३)	कमल	(उ.मं. २६)	नलिनी	(उ.मं. ३)
वनान्त	(अं. ३.२)	कमल	(उ.मं. २०)	नाल	(पू.मं. १६)
वंशश्यामी	(अं. १.३३)	कमल	(पू.मं. ६१)	निचुल	(पू.मं. २५)
विटप	(अं. १.२४)	कल्पवृक्ष	(पू.मं. ६६)	नीप	(पू.मं. २२)
विटप	(अं. २.२८)	कल्पवृक्ष	(उ.मं. ४३)	नीप	(उ.मं. २)
विटप	(अं. ६.१६)	कल्पवृक्ष	(उ.मं. २२)	नीप	(उ.मं. २)
विमलात्पल	(अं. २.२६)	कानन	(पू.मं. १८)	पद्म	(उ.मं. २०)
शाशना	(अं. २.२३)	किसलय	(पू.मं. ११)	पद्म	(उ.मं. ३)
शाशना	(अं. २.२३)	किसलय	(पू.मं. ६६)	पाक्षिणी	(उ.मं. २३)
शाशना	(अं. ३.२३)	किसलय	(उ.मं. १२)	पादप	(उ.मं. ३)
शाशलि	(अं. ३.२०)	किसलय	(उ.मं. १८)	प्रादुक्ष्य	(पू.मं. २६)
शाशलि	(अं. ६.१०)	किसलय	(उ.मं. ३१)	प्रादुक्ष्य	(उ.मं. १९)
शाशलि	(अं. ४.१)	किसलय	(उ.मं. ४६)	खालकुन्द	(उ.मं. २)
शाशलि	(अं. ४.८)	किसलय	(उ.मं. ४७)	खालकुन्द	(उ.मं. १६)
शाशलि	(अं. ४.१८)	कीचक	(पू.मं. ६१)	भुजतरुवन	(पू.मं. ३९)
शाशलि	(अं. ५.२)	कुटज	(पू.मं. ५)	मादवी	(उ.मं. १८)
शाशलि	(अं. ५.१६)	कुन्द	(पू.मं. ३०)	मालती	(उ.मं. २८)
शाशमली	(अं. १.२६)	कुन्द	(उ.मं. ३३)	भूथिका	(पू.मं. २७)
शैफालिका	(अं. १.२६)	कुमुद	(पू.मं. ४३)	रत्नफल	(उ.मं. ३)
श्यामलेता	(अं. ३.२८)	कुमुद	(पू.मं. ६१)	रत्नाशोक	(उ.मं. ३८)

लाक्ष	(उ. म. २)	कुमुद	(कु. ८-७१)	पद्म	(कु. २-२)
दानीयवात	(पू. म. ४४)	कुशेशय	(कु. ८-३४)	पद्म	(कु. २-२७)
विश्व	(पू. म. ११)	कुश	(कु. ३-३३)	पद्म	(कु. ७-१६)
शिरोध	(उ. म. २)	केशर	(कु. ३-३२)	पद्म	(कु. ७-३८)
शब्द	(पू. म. २३)	केशर	(कु. ८-२६)	पद्म	(कु. ८-८६)
सरल	(पू. म. ३६)	केशर	(कु. ८-३२)	पद्म	(कु. ११-३६)
स्तोक	(उ. म. १६)	केशर	(कु. ८-७६)	पद्मलक्ष्मी	(कु. ११-२६)
स्थलकमलिनी	(उ. म. ३०)	केशर	(कु. ८-४०)	पद्मिनी	(कु. ४-७६)
हैमाभीज	(पू. म. ६६)	केशर	(कु. ८-४१)	पद्मल	(कु. ३-२६)
कुमारसम्भयम्		केशर	(कु. ८-४६)	पद्मल	(कु. ३-३४)
		कौमुदी	(कु. ४-३३)	पद्मल	(कु. ३-६१)
अम्भोज	(कु. ३-३२)	कौमुदी	(कु. ६-७१)	पद्मल	(कु. ४-३४)
अम्भोजीज	(कु. ३-२६)	चन्दनलता	(कु. ७-२६)	पद्मल	(कु. ४-३८)
अरविन्द	(कु. १-३१)	चूत	(कु. ३-२७)	पद्मल	(कु. ८-४६)
अरविन्द	(कु. ३-६७)	चूत	(कु. ४-२४)	पद्मल	(कु.)
अशोक	(कु. ३-३३)	चूत	(कु. ४-३८)	पद्मल	(कु. ३-२९)
अशोक	(कु. ३-२६)	चूतचिह्न	(कु. ६-२)	पद्मल	(कु. १४-२७)
ओम्	(कु. ८-१८)	चूतधुर	(कु. ३-६२)	पद्मल	(कु. १-२७)
ओम्	(कु. १-१०)	चूतप्रवाल	(कु. ३-३०)	पद्मल	(कु. ९-३८)
ओम्	(कु. १-३०)	लम्बोत्तम	(कु. ८-३३)	पद्मल	(कु. १३-४३)
ओम्	(कु. ६-३८)	तरु	(कु. ८-६७)	प्रवाल	(कु. ३-४४)
ओम्	(कु. १२-४८)	तरु	(कु. २३-२३)	प्रवाल	(कु. ३-२७)
कदली	(कु. १-३६)	नील	(कु. ८-४०)	प्रवाल	(कु. ३-३९)
कदम्ब	(कु. ३-६८)	दूर्वा	(कु. ७-७)	प्रकुल्लक्ष्मी	(कु. ७-३२)
कमल	(कु. ३-११)	दूर्वा	(कु. १०-४३)	प्रियालक्ष्मी	(कु. ३-३३)
कमल	(कु. ६-८४)	दूर्वा	(कु. ११-३६)	पुष्परीक	(कु. ८-३८)
कमल	(कु. ८-१९)	देवदारु	(कु. २-२६)	पुष्परीक	(कु. ३-६६)
कमल	(कु. २३-२७)	देवदारु	(कु. २-३४)	पुष्परीक	(कु. ३-३९)
कर्णिकार	(कु. ३-२८)	देवदारु	(कु. ६-३१)	पुष्परीक	(कु. ३-३८)
कर्णिकार	(कु. ३-३३)	देवदारु	(कु. ३-४७)	पुष्परीक	(कु. ३-६२)
कल्पतरु	(कु. ८-७१)	नलिनी	(कु. ४-६)	बन्धुजीव	(कु. ८-४०)
कल्पद्रुम	(कु. २-३१)	बन्धुनद्रुम	(कु.)	बन्धुजीव	(कु. १-६४)
कल्पद्रुम	(कु. ६-४१)	नामक	(कु. १-३६)	विश्व	(कु. ८-३३)
कल्पद्रुम	(कु. १७-३३)	पञ्चक	(कु. ३-३७)	विश्व	(कु. ३-३७)
कल्पद्रुम	(कु. ६-६)	पञ्चक	(कु. ६-९)	बन्धुजीव	(कु. ३-३८)
काश	(कु. ७-११)	पद्म	(कु. २-३६)	भूर्जलक्ष्मी	(कु. १-३२)
कीरक	(कु. १-८)	पद्म	(कु. २-४२)	मरुती	(कु. ३-३९)

महाभक्ति (कृ. २-२)	सहकारमञ्जरी (कृ. ८-३८)	उद्यानमाला (र. २६-१७)
मन्दार (कृ. २-२)	सोमशोभा (कृ. १-६२)	उपनिषत् (र. १४-१)
मल्लिका (कृ. ११-२८)	सितलाल (कृ. ११-३३)	उपनिषत् (र. ६-९)
मुक्ताफल (कृ. १-६)	सिन्दूर (कृ. १४-२४)	उपनिषत् (र. ८-८)
मुक्ताफल (कृ. २-२४)	सिन्दूरवार (कृ. २-३३)	उपनिषत् (र. ८-१३)
मुक्ताफल (कृ. २३-२४)	सुधामासिन्दूर (कृ. १-३३)	उपनिषत् (र. ९-४६)
मृगाल (कृ. ६-६८)	सुभगिरिमाला (कृ. ११-२६)	उपनिषत् (र. १३-१९)
मृगालसूत्र (कृ. ३-४९)	सुभगलता (कृ. ८-२२)	उपनिषत् (र. १४-१०)
मृगालिकापल्लव (कृ. ३-३९)	सुभगभारत (कृ. २-४४)	उपनिषत् (र. ११-६४)
नन्दोदर (कृ. ३-४२)		उपनिषत्संग्रह (र. ९-३६)
नन्दोदर (कृ. ८-३३)	रघुवंशम्	कृष्ण (र. २-२२)
नील (कृ. १-८०)	अक्षय (र. ४-६८)	कदम्ब (र. ९-४४)
नील (कृ. १-६९)	अक्षय (र. ६-८)	कदम्बमुकुट (र. १२-११)
नील (कृ. १-८१)	अक्षयचन्दन (र. ८-१२)	कदम्ब (र. १३-३९)
पद्मलोचन (कृ. ३-३३)	अम्भोज (र. १०-६९)	कदम्ब (र. ३-३६)
पद्मलोचनी (कृ. ३-२९)	अम्भोज (र. २-१३)	कदम्बिनी (र. ९-११)
पद्मलोचनी (कृ. ३-३२)	अम्भोज (र. ६-६९)	कदम्बिनी (र. १९-२९)
पद्मी (कृ. १२-१८)	अम्भोज (र. २-४३)	कदम्बिका (र. ९-३३)
पद्मी (कृ. ४-३२)	अम्भोज (र. ६-३३)	कदम्बिका (र. ९-१३)
पद्मिनी (कृ. १३-१२)	अम्भोज (र. ६-६६)	कदम्बिका (र. ११-२६)
पद्मिनी (कृ. ८-३३)	अम्भोज (र. १९-३३)	कदम्बिका (र. ६-३३)
पद्मिनी (कृ. १-४४)	अम्भोज (र. ८-६३)	कदम्बिका (र. ६-६)
पद्मिनी (कृ. ३-३४)	अम्भोज (र. ९-२८)	कदम्बिका (र. १४-३४)
पद्मिनी (कृ. ३-३४)	अम्भोज (र. १३-३३)	कदम्बिका (र. ११-२६)
पद्मिनी (कृ. ३-१४)	अम्भोज (र. १-११)	कदम्बिका (र. ११-२६)
पद्मिनी (कृ. ८-३६)	अम्भोज (र. १८-४०)	कदम्बिका (र. १३-२१)
पद्मिनी (कृ. १-४१)	अम्भोज (र. ४-४२)	कदम्बिका (र. १३-३३)
पद्मिनी (कृ. ३-४)	अम्भोज (र. ११-३३)	कदम्बिका (र. १४-१२)
पद्मिनी (कृ. ३-९)	अम्भोज (र. ३-६)	कदम्बिका (र. १४-८९)
पद्मिनी (कृ. १-३)	अम्भोज (र. १४-१०)	कदम्बिका (र. ४-२१)
पद्मिनी (कृ. ८-३३)	अम्भोज (र. १-१०)	कदम्बिका (र. ९-२२)
पद्मिनी (कृ. १-३१)	अम्भोज (र. २-३२)	कदम्बिका (र. ९-२८)
पद्मिनी (कृ. ३-३३)	अम्भोज (र. १४-८०)	कदम्बिका (र. ९-३६)
पद्मिनी (कृ. १-८)	अम्भोज (र. १-२८)	कदम्बिका (र. ९-४२)
पद्मिनी (कृ. ६-२१)	इन्दुवार (र. ६-६६)	कदम्बिका (र. २-२२)
पद्मिनी (कृ. ८-३३)	इन्दुवार (र. ४-२०)	कदम्बिका (र. ४-१३)
पद्मिनी (कृ. ९-११)	इन्दुवार (र. १४-८२)	कदम्बिका (र. १६-४१)
पद्मिनी (कृ. १-१६)	उत्पल (र. ३-३६)	कदम्बिका (र. ४-२९)
पद्मिनी (कृ. १-३४)	उत्पल (र. १३-३३)	कदम्बिका (र. ६-३६)
पद्मिनी (कृ. ८-३३)	उत्पल (र. ९-६६)	कदम्बिका (र. ६-६६)
पद्मिनी (कृ. ८-१८)	उत्पल (र. ११-३)	कदम्बिका (र. ९-२९)

कुशा	(र. ५-७)	तिर्लोक	(र. ९-५१)	पादप	(र. २-३५)
कुशा	(र. २-४९)	तिर्लोक	(र. ९-४५)	पादप	(र. ६-२२)
कुशा	(र. ९-२३)	तृण	(र. २-३)	पादप	(र. १२-५२)
कुशा	(र. १४-७०)	तृणोद्भूत	(र. १६-१८)	पादप	(र. १२-७३)
कुशा	(र. २९-२)	तृणोद्भूत	(र. ६-४७)	पादप	(र. १३-४६)
कुशा	(र. १-९३)	दन्तपत्र	(र. ६-१०)	पानभूति	(र. ११-११)
कुशा	(र. १८-४)	दूर्ध	(र. १४-६१)	पारिजात	(र. ६-६)
कुशामूर्ति	(र. ६-१८)	दूर्ध	(र. १३-२६)	पारिजात	(र. १०-१२)
कुशमुम	(र. १३-४३)	दूर्ध	(र. १३-३९)	पारिजात	(र. १७-७)
कुशमुम	(र. ८-३३)	दूर्ध	(र. १७-४४)	पुण्डरीक	(र. १८-८)
कुशमुम	(र. ८-६९)	द्वेन्दार	(र. २-३६)	पुण्डरीक	(र. १०-८)
कुशमुमकलर	(र. ९-५३)	द्वेन्दार	(र. २-३६)	पुण्डरीक	(र. ४-१७)
कुशमुमकुम	(र. १६-३६)	द्वेन्दार	(र. ४-७६)	पुष्पारेणु	(र. १-३८)
कुशमुमपुराण	(र. ९-७०)	द्वेन्दार	(र. ४-६३)	पुष्पारेणु	(र. ११-११)
कुशमुमपृष्ट	(र. १३-२६)	त्रादा	(र. १८-६)	पुष्पवृक्षा	(र. ६-७)
कलाक	(र. ६-१७)	नलिनी	(र. ८-५३)	पुष्पगोमिन्	(र. ४-५५)
कलाकरणु	(र. १३-१४)	नलिनी	(र. ६-४४)	पुष्प	(र. ६-६५)
कलुमानुपावन	(र. १६-१५)	नलिनी	(र. ६-१३)	पृथिवीरुह	(र. ८-७०)
कला	(र. ४-६७)	नील	(र. १९-३७)	पृथिवीरुह	(र. ८-९)
कला	(र. ९-३६)	नीलरज	(र. ३-२३)	प्रवालशोभा	(र. ६-११)
कला	(र. ३-३१)	नीलार	(र. ४-१४)	फलरेणु	(र. ४-४७)
कलापरान्न	(र. ९-४०)	नीलार	(र. ७-६४)	फलिनी	(र. ८-१)
कामुदी	(र. ३-१)	पञ्चक	(र. ८-६६)	लकुल	(र. ९-३०)
कामुदी	(र. ६-८६)	पञ्चक	(र. १३-३१)	लाललता	(र. २-१०)
कामुदी	(र. ८-३७)	पञ्चक	(र. ४-२७)	लीज	(र. १४-३३)
कामुदी	(र. १७-६)	पञ्चक	(र. ४-२७)	भूर्ज	(र. ४-७३-७३)
खोजुरी	(र. ४-६७)	पञ्चक	(र. ६-८३)	मकरन्द	(र. ४-८८)
चन्दन	(र. ४-४८)	पञ्च	(र. २०-७)	मखरी	(र. ९-४४)
चन्दन	(र. ४-६१)	पञ्च	(र. १७-७३)	मनामिजतरुपुष्प	(र. १८-११)
चन्दन	(र. ६-४७)	पञ्च	(र. १७-२२)	मनोजपल्लव	(र. ३-४)
चन्दन	(र. ६-६४)	पञ्च	(र. १६-१६)	मन्दार	(र. ६-२३)
चन्दन	(र. १०-४८)	पञ्च	(र. ४-३)	मर्द्ध	(र. १९-४६)
चन्दन	(र. ११-२०)	पञ्च	(र. २६-१८)	मलेयकुम	(र. १२-१२)
चन्दन	(र. १३-३३)	पञ्च	(र. २६-७)	मल्लिका	(र. २-३४)
चन्दन	(र. १७-२४)	पञ्च	(र. ९-३१)	मल्लिका	(र. २-३०)
चन्दनवृम	(र. १३-६४)	पञ्च	(र. १३-२५)	मल्लिक	(र. १३-२१)
चूत	(र. ७-२१)	पञ्च	(र. १९-२३)	मृणाल	(र. १६-१६)
चूतकुशुम	(र. ११-४३)	पञ्च	(र. २-३६)	मृणालिनी	(र. १६-७)
जलज	(र. ७-६२)	पञ्च	(र. १-६८)	रेणु	(र. ४-८८)
जलकुम	(र. ११-७७)	पञ्च	(र. १६-१६)	रेणु	(र. ७-३८)
जमानपत्र	(र. ६-३४)	पञ्च	(र. ११-२८)	रेणु	(र. ९-३०)
जल	(र. ८-४७)	पञ्च	(र. २-३५)	रेणु	(र. २-८)
जलपल्लव	(र. ३-७०)	पञ्च			
जाम्बूलपल्लि	(र. ६-६४)	पादप			
जाम्बूलि	(र. ४-४२)	पादप			

लता	(र. ३-७)	श्री	(र. २-२६)	अशोक	(मा. ४-१४८)
लता	(र. ८-४७)	शब्द	(र. २-२६)	अशोक	(मा. ४-१११)
लता	(र. ८-३९)	शाखी	(र. १३-३६)	अशोक	(मा. ३-११३)
लता	(र. १३-२४)	शाखीनू	(र. ११-११)	अशोक	(मा. ३-११७)
लता	(र. १४-५४)	शाखीनू	(र. १३-३८)	अशोक	(मा. ३-११७)
लतापुष्प	(र. ६-३७)	शाखी	(र. २-१७)	अशोक	(मा. ३-११७)
लीज	(र. ४-२७)	शाखी	(र. २-३८)	अशोक	(मा. ३-१२०)
लीज	(र. ७-२६)	शाखीनू	(र. ४-२०)	अशोक	(मा. ३-२०८)
लीज	(र. ७-२६)	शाखीनू	(र. १६-७८)	अशोक	(मा. ३-२०९)
लीज	(र. १४-२०)	शाखी	(र. १६-४८)	अशोक	(मा. ३-२११)
लोधुन	(र. २-२९)	शाखी	(र. १६-६१)	अशोक	(मा. ३-२१३)
लोधुनपुष्प	(र. ३-७)	शाखी	(र. १८-४६)	अशोक	(मा. ३-२१३)
दाट	(र. १२-३३)	शाखी	(र. ५-४६)	अशोक	(मा. ३-२०४-३)
दाट	(र. २-२)	शाखी	(र. १६-६१)	अशोक	(मा. ३-१०९)
दाट	(र. ३-२४)	शाखी	(र. ५-४८)	अशोक	(मा. ३-२०९)
दाट	(र. २-१७)	शाखी	(र. १०-७७)	अशोक	(मा. ३-११८)
दाट	(र. ५-११)	शाखी	(र. १०-३९)	अशोक	(मा. ३-११८)
दाट	(र. १-४९)	शाखी	(र. १३-५८)	अशोक	(मा. ३-१२२)
दाट	(र. १-८२)	शाखी	(र. ३-६९)	अशोक	(मा. ३-२०३-६)
दाट	(र. ९-५३)	शाखी	(र. ४-९)	अशोक	(मा. ३-१०१)
दाट	(र. ९-६६)	शाखी	(र. ६-६९)	अशोक	(मा. ३-१३९)
दाट	(र. १२-२६)	शाखी	(र. ८-६९)	अशोक	(मा. ३-१२४)
दाट	(र. १२-२०)	शाखी	(र. १९-४६)	अशोक	(मा. ४-११०)
दाट	(र. १४-६९)	शाखी	(र. ९-३३)	अशोक	(मा. ३-१००-९)
दाट	(र. १६-१६)	शाखी	(र. ७-११)	अशोक	(मा. ३-८९)
दाट	(र. १६-४७)	शाखी	(र. १३-३६)	अशोक	(मा. ३-१४३)
दाट	(र. १७-६७)	शाखी	(र. १३-३६)	अशोक	(मा. ३-१४३)
दाट	(र. १९-६७)	शाखी	(र. १०-६९)	अशोक	(मा. ३-२०३)
दाट	(र. ३-७०)	शाखी	(र. १-४१)	अशोक	(मा. ३-११९)
दाट	(र. ३-३)	शाखी	(र. १-४१)	अशोक	(मा. ३-११९)
दाट	(र. १-३८)	शाखी	(र. १-४१)	अशोक	(मा. ३-११९)
दाट	(र. ९-३४)	शाखी	(र. १-४१)	अशोक	(मा. ३-११९)
दाट	(र. ९-५१)	शाखी	(र. १-४१)	अशोक	(मा. ३-११९)
दाट	(र. ९-५१)	शाखी	(र. १-४१)	अशोक	(मा. ३-११९)
दाट	(र. १५-८)	शाखी	(र. १-४१)	अशोक	(मा. ३-११९)
दाट	(र. १६-६९)	शाखी	(र. १-४१)	अशोक	(मा. ३-११९)
दाट	(र. १२-२१)	शाखी	(र. १-४१)	अशोक	(मा. ३-११९)
दाट	(र. २-३८)	शाखी	(र. १-४१)	अशोक	(मा. ३-११९)
दाट	(र. १४-११)	शाखी	(र. १-४१)	अशोक	(मा. ३-११९)
दाट	(र. १२-२४)	शाखी	(र. १-४१)	अशोक	(मा. ३-११९)
दाट	(र. १२-२९)	शाखी	(र. १-४१)	अशोक	(मा. ३-११९)
दाट	(र. १३-३०)	शाखी	(र. १-४१)	अशोक	(मा. ३-११९)
दाट	(र. १३-३६)	शाखी	(र. १-४१)	अशोक	(मा. ३-११९)
दाट	(र. ८-४७)	शाखी	(र. १-४१)	अशोक	(मा. ३-११९)
दाट	(र. ९-६३)	शाखी	(र. १-४१)	अशोक	(मा. ३-११९)
दाट	(र. १०-११)	शाखी	(र. १-४१)	अशोक	(मा. ३-११९)
दाट	(र. १२-६१)	शाखी	(र. १-४१)	अशोक	(मा. ३-११९)
दाट	(र. ७-२६)	शाखी	(र. १-४१)	अशोक	(मा. ३-११९)
दाट	(र. ७-२६)	शाखी	(र. १-४१)	अशोक	(मा. ३-११९)

- तरुशक्ति (भा. ३. ९८) कुशुमितलकवनपल्लव (वि. ४. १११) लता (वि. ४. १८९-९१)
 तिलक (भा. ३. ९४. ३) कुन्द (वि. २. ४१. ५) लताविहय (वि. १. ३०. १३)
 निखिल (भा. २. ११. ३) कृष्णकमल (वि. ४. १७. ३) लताविहय (वि. २. ५३.
 पञ्कज (भा. २. ११. १०) केशर (वि. २. १३. ८) लताविहय (वि. ४. ११५.
 पञ्चश्याम (भा. २. १३. २३) कौमुदी (वि. २. ३९. १) लताविहय (वि. १. ३०. १३)
 पद्मिनी (भा. २. १३. १३) चूत (वि. २. ३९. १) शतपत्र (वि. ४. १३३.
 पल्लव (भा. २. ११९. १) जम्बूविहय (वि. ४. १३३. १) सहकार (वि. १. ४९. ६)
 पल्लव (भा. ४. ११२. १) लकृष्ण (वि. ४. १४३. ३) सङ्गम (वि. ४. ११५. ४)
 पल्लवगुच्छ (भा. ३. ११८. १) लकृष्ण (वि. ४. ११३. ४) स्तम्भक (वि. ४. ११६. १)
 पल्लवप्रसूति (भा. ३. १०६. ३) दुर्वाशुभ (वि. ३. ११६. १) ऐश्वर्य (वि. ३. ११६. १)
 पादप (भा. ३. २९. १) नलिनी (वि. २. १०. २३) अशितानिशाकुन्तलम्
 पादपकन्द (भा. ३. ११४. १) नलिनीपत्र (वि. ४. १६८. ३)
 पुण्डरीक (भा. ४. १६२. १) निचुल्लक (वि. ४. १४९. १) अपराजिताशक्ति (शा. १. ३२८)
 प्रवाल (भा. ४. १३१. १) नीलकण्ठ (वि. ४. ११२. १) अशितानि (भा. ३. १८९)
 प्रियङ्गुलता (भा. ३. १०८. १) पद्म (वि. ४. १६९. १) अशोकवृक्षा (शा. १. ३३५
 फल (भा. ४. १३१. १) पद्मिनी (वि. १. १४. ३) अशोकलता (शा. ६. ३३०.
 शालाशोक (भा. ४. ११८. १) पल्लव (वि. ४. ११२. ४) अशोकवृक्षा (शा. १. ३८. १)
 शीतपूरक (भा. ३. ८५. १) पारिजात (वि. २. ६१. १) अशोकवृक्षा (शा. १. ३०. ३०)
 शीलतीक्ष्ण (भा. ३. ८५. १) पुण्डरीक (वि. ४. १११. ४) इक्षु (शा. ६. २९६
 मुक्तलता (भा. ४. ११८. ३) पुष्पलता (वि. ३. ११०. २) इक्षु (शा. २. १४
 मुक्ताफल (भा. १. १९. ६१) पुष्पलता (वि. २. ३११. १) इक्षु (शा. ४. १६६. २६)
 रक्तशोक (भा. ४. ११४. १) पारिजात (वि. २. ६१. १) इक्षु (शा. १. ३८. १५)
 लता (भा. ३. १०१. १) शालाशोक (वि. २. ३१. १) इक्षु (शा. १. ३८. १५)
 रक्तचूर्ण (भा. ४. ११४. १) शूर्जपत्र (वि. २. ६१. १) उद्योगलता (शा. १. ३२. १)
 श्यामविहय (भा. २. ६५. ६) शूर्जपत्र (वि. २. ६१. १) कर्कण्डू (शा. ४. २३६. ३)
 सहकार (भा. ४. ११४. ३) शूर्जपत्र (वि. २. ११. १) कर्कण्डू (शा. २. ६८. ६)
 सहकार (भा. ३. १०३. ५) शूर्जपत्र (वि. २. ११. १) कर्कण्डू (शा. ४. २३६. ३)
 विक्रमोत्पत्तिश्रीधर शूर्जपत्र (वि. २. ११. १) कर्कण्डू (शा. १. ३१. १)
 अशोकस्तम्भक (वि. ४. ११३. ३) शूर्जपत्र (वि. २. ११. १) कर्कण्डू (शा. १. ३१. १)
 अतिमुक्तलतामण्डप (वि. १. ३१. १) शूर्जपत्र (वि. ४. ११३. ३) कर्कण्डू (शा. १. ३१. १)
 उपवनलता (वि. २. ३२. ८) मन्दारपुष्प (वि. ४. ११३. ६) कर्कण्डू (शा. २. ११. १)
 कमल (वि. ४. १४८. ४) माधवी (वि. २. ४१. ४) कुरवक (शा. ६. २१०. ४)
 कमलमाल (वि. २. ६८. १) मुकुल (वि. २. १०. ३३) कुरवक (शा. १. ३४.
 कर्णिकार (वि. २. १०. ३३) मृणाल (वि. ३. ११८. १३) कुमुद (शा. २. २०. १८)
 कर्णिकार (वि. ३. ११. ३) मृणाल (वि. १. ३३. २८) कुमुद (शा. ४. २३८. ४)
 कल्पतरु (वि. ४. १४८. १) मृथिका (वि. ४. ११३. ४६) कुशुभ (शा. ४. १३६. १३)
 कल्पवृक्षा (वि. ३. २२६. ११) रक्तकण्डू (वि. ४. ११. ३६) कुशुभ (शा. १. ३४.
 क्लिप्तलता (वि. ४. १४३. ३) रक्तकण्डू (वि. ४. ११३. ३) कुशुभ (शा. १. ३८. १)
 कुमुद (वि. ३. १२६. १६) रक्तशोक (वि. ४. ११६. १३) कुशुभ (शा. १. २८. १)
 कुशुभक (वि. २. ३१. १) शीतलपत्र (वि. ४. ११०. १) कुशुभ (शा. १. २६.
 कुशुभकेशर (वि. ४. ११३. ३) लता (वि. १. १४. १३) कुशुभ (शा. ६. २८.

केसर (शां. ६.२७६.१८) नीवार (शां. २.७६. ८) चोला-तृण (शां. ३.२२०.२७)
 केसरभोलिका (शां. ४.१४४) पशु-कर्म (शां. ३.२१६.२८) चोला-सालतागण्डप (शां. ६.२१४)
 केसरपृष्ठाक (शां. १.२६. ४) पशु-कर्म (शां. ७.३१८.१६) शिरीष-कुमुमा (शां. १.१२४)
 कोरक (शां. ६.२३०.४) धर्मा (शां. ७.३१०.८) शमी-लता (शां. १.२८.९८)
 क्षीर (शां. ३.९२.७) पल्लव (शां. १.२८.२०) शारदा (शां. २.७४.२१)
 रणजूर (शां. २.७२) पल्लव (शां. ४.२६६.२१) शारदा (शां. २.७४.२१)
 चन्दन (शां. ३३१.१८) पल्लव (शां. ६.२७४) शारदा (शां. २.७४.२१)
 चन्दन-लता (शां. ४.१७०) पशु-कर्म (शां. ७.३१४.२१) शमी-लता (शां. १.२८.९८)
 चूल (शां. ४.२६०) पशु-कर्म (शां. १.२८.२८) शिरीष (शां. १.४६.२८)
 चूलकलिका (शां. ६.१४६) पादप (शां. १.८.३) शिरीष (शां. ६.२७६.२८)
 चूलकोरक (शां. ६.२४६) पादप (शां. १.३०.८) शिरीष-कुमुमा (शां. १.८.४)
 चूलपादप (शां. ६.२७४) पादप (शां. २.३८.) शिरीष-कुमुमा (शां. १.८.४)
 चूलपुसक (शां. ६.२४८) पादप (शां. २.७०) शिरीष-कुमुमा (शां. १.८.४)
 चूलभञ्जरी (शां. ६.२४२) पादप (शां. ६.२१२.७) शारदा (शां. २.७४.२१)
 चूलोक्षुर (शां. ६.२४६) पादप (शां. ४.२६८.२४) शारदा (शां. २.७४.२१)
 चूलोक्षुर (शां. ६.२४८) पादप (शां. ६.२१८.२३) शारदा (शां. २.७४.२१)
 चूलोक्षुर (शां. ६.२४८) पादप (शां. १.१४.२०) शारदा (शां. २.७४.२१)
 चूलोक्षुर (शां. ६.२४८) पादप (शां. १.२२) शारदा (शां. ३.२०.२)
 चूलोक्षुर (शां. ६.२४८) पादप (शां. १.४.१)
 जीर्णलता (शां. ७.३१२.२१) पादप (शां. ६.१९०.२४)
 लोकोत्कण्ठ (शां. ४.१६२.१६) मन्दिज (शां. २.३८.२)
 दुर्भा (शां. १.२०.७) मन्दिज (शां. ३.९८.१०)
 दुर्भा (शां. २.८८) मन्दिज (शां. ७.३०४.३)
 दुर्भा (शां. ४.२३४.१०) मन्दिज (शां. ७.३१२)
 दुर्भाक्षुर (शां. १.२८.२६) मन्दिज (शां. २.९८.२१)
 दुर्भाक्षुर (शां. २.७८.१२) मन्दिज (शां. ३.९८)
 दुर्भा (शां. ४.१३६.२) मन्दिज (शां. ३.९८.२१)
 दुर्भा (शां. ४.१४४) मन्दिज (शां. ६.२७८.१८)
 दुर्भा (शां. २.७८.२२) मन्दिज (शां. ६.१६८)
 नैवामलिका (शां. ४.११०.४) मन्दिज (शां. ६.२७८)
 नैवामलिका (शां. २.७०.८) मन्दिज (शां. ३.९८)
 नैवामलिका (शां. ३.११२.१६) मन्दिज (शां. १.२८)
 नैवामलिका (शां. ३.११२.२१) मन्दिज (शां. १.२८.२०)
 नैवामलिका (शां. ३.९८) मन्दिज (शां. १.२८)
 नैवामलिका (शां. ३.९८) मन्दिज (शां. १.२८)
 नैवामलिका (शां. ३.२०६) मन्दिज (शां. २.६८)
 नैवामलिका (शां. ३.२२०.३७) मन्दिज (शां. १.२८.२०)
 नैवामलिका (शां. ४.१४४) मन्दिज (शां. १.६०.३०)
 नैवामलिका (शां. १.२८.१८) मन्दिज (शां. ३.२२६)
 नीवार (शां. ४.१४६) मन्दिज (शां. ३.९४)
 नीवार (शां. ४.१७६.२) मन्दिज (शां. ३.९४)